ये अव्यक्त इशारे

जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करने के लिए बन्धनों से मुक्त बनो

30-12-2023

कर्मातीत अर्थात् देह के बन्धन से भी मुक्त। कर्म कर रहे हैं लेकिन कर्मों का खाता नहीं बन रहा है बिल्कुल न्यारे रहेंगे। कोई अटैचमेंट नहीं होगी। कर्म करने वाला अलग और कर्म अलग हैं। इस अवस्था में जास्ती बुद्धि चलाने की भी आवश्यकता नहीं है। संकल्प उठा और जो होना है वही होगा।

In order to experience the stage of liberation-in-life become free from bondage.

To be karmateet means to be free even from the bondage of your own body. You are performing actions, but not creating any account of those actions, then you will be completely detached. There won't be any attachment. The one who is performing actions is separate from the action. In this stage, you don't need to use your intellect a lot. You just have a thought and only that which is to happen will happen.